

body as the one which refused to surrender its accounts for audit?

Mr. Speaker: It does not arise out of this question

Shri Tyagi: Is it the same organisation?

Mr. Speaker: We do not know. This does not arise out of this question

Shri Tyagi: May I know what is the relation of the Government with this institution because a present received has been transferred to a private institution? What is the relationship of the Government with this institution?

Mr. Speaker: The hon Member puts the same question cleverly in another form. Next question

Shri Harish Chandra Mathur: On a point of order, Sir, this Question No 770 has been transferred to another date. I can have no objection to it because it has been transferred to be asked of the Minister of Planning. But, your present rule is that questions are listed according to the date of receipt in your office. For this question 770 and my next question 806 notice was given on the same date and they were received in your office on the same date. If question No 770 is to be transferred, Question 806 should be advanced to take its place, because this question No 806 was received in your office much earlier than all other questions which are now to be asked. This has gone down below in the list because it is in the second round of questions. In the first round my question is being transferred and this question should take its place, because other questions have been received in your office much later than 806. This is your rule.

Mr. Speaker: When did he look into this matter?

Shri Harish Chandra Mathur: I just

Mr. Speaker: Off hand, I am unable to say one way or the other. If I

agree with him, I will give him top priority next day

Shri Harish Chandra Mathur: I was drawing your attention

Mr. Speaker: I will look into it

Shri Harish Chandra Mathur: It is my right to ask supplementary questions. It has been shifted. That does not matter. If the Chair finds certain difficulties for want of data before it, this should be looked into when other questions are transferred on future dates, whether the question in the second round gets priority and is advanced.

Mr. Speaker: I will look into this matter. If I agree with him, I will give him top priority on the next day. I do not want to give a ruling off hand because a number of questions are transferred. What happens in such cases I will consider and then give my ruling.

Shri Tyagi: A clarification is needed. The House would be interested to know in what order questions are enlisted in the list of questions? Are they in order of receipt in the office?

Mr. Speaker: There is a Notice office here. I have placed a Special Superintendent to enable all hon Members to know everything inside out of parliamentary work. There are masters here and I am only their servant. Let them go, sit there and look into. If they are not satisfied, let them come to me instead of spending away the time of the House here.

देवनागरी लिपि

-1-

{ श्री भक्त दर्शन
*७७१. { श्री विभूति मिश्र
{ श्री बी० च० शर्मा

क्या शिक्षा मंत्री २ दिसम्बर, १९५८ के तारांकित प्रश्न संख्या ४९२ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि देवनागरी लिपि के संशोधन के बारे में अन्तिम

निर्णय करने की दिशा में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

शिक्षामंत्री (डा० का० ला० श्रीमाला) : दूसरी बातों के साथ साथ इस मामले पर भी विचार करने के लिये जितनी जल्दी हो सके शिक्षा मंत्रियों का एक सम्मेलन बुलाने का प्रस्ताव है

I wish to add that I had answered a similar question on the same subject a few days ago

Mr. Speaker: He might have brought it to my notice, then, I would have disallowed this question

सेठ गोविन्द दास : क्या माननीय मंत्री जी को यह बात मालूम है कि देवनागरी लिपि सब से अधिक वैज्ञानिक लिपि है और उस में बहुत थोड़े सुधार की जरूरत है। ऐसी हालत में जब तक यह सुधार नहीं हो जाते हैं तब तक टाइपराइटर और दूसरे काम सब रुके हुए हैं। तो क्या मंत्री जी यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस में इतनी देरी क्यों हो रही है ?

डा० का० ला० श्रीमाला : पिछली बार यह सवाल उठा था। उस समय मैंने इस के बारे में यह स्पष्ट कर दिया था कि सन् १९५३ में उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ में एक कानफरेस बुलायी थी

सेठ गोविन्द दास : उस को तो पांच वर्ष बीत गये।

डा० का० ला० श्रीमाला : जी हा। इस कानफरेस में लिपि के बारे में कुछ निर्णय लिये गये थे। केन्द्रीय सरकार ने जितने भी प्रस्ताव पास हुए थे उन को स्वीकार कर लिया था। लेकिन उस के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सन् १९५७ में दूसरी कानफरेस बुलायी और पुराने निर्णयों में कुछ गड़बड़ कर दिया। तो अब एक दिक्कत पैदा हो गयी। जहाँ तक इस गवर्नमेंट का तात्सुक था उस में सन् १९५३ की जो सिफारिशें थी उन को मान लिया था और आगे काम बढ़ रहा था।

इस बीच में उत्तर प्रदेश सरकार ने बिना पूछे यह दूसरी कानफरेस बुलायी और उस में पुराने निर्णयों को बदल दिया। तो जब तक इस मामले में अन्तिम फैसला न हो जाये आगे काम नहीं बढ़ सकता। लेकिन मैं हाउस को यह भावना दिलाना चाहता हूँ कि जितनी भी जल्दी हो सकेगा एजुकेशन मिनिस्ट्री की कानफरेस बुला कर इन मामले को तै किया जायेगा।

श्री विभूति मिश्र : मंत्री जी ने बतलाया कि वे विभिन्न प्रदेशों के शिक्षा मंत्रियों की कानफरेस बुला रहे हैं। बिनोबा जी ने भी इस बारे में कुछ निर्देश दिये हैं। तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या हमारे मंत्री जी इस बारे में बिनोबा जी की भी राय लेंगे ?

डा० का० ला० श्रीमाला : जो भी राय दे सकेंगे उन से राय ली जायेगी और कोसिग यह भी जायेगी कि और भी जो विशेषज्ञ हैं उन को भी इस कानफरेस में बुलाया जाये।

Shri D. C. Sharma: May I know if this problem will be submitted for consideration of the University Professors of Hindi and other languages?

Dr. K. L. Shrivastava: I am quite sure the Education Ministers will consult the experts in their States before coming to conclusions

श्री ज. दास शर्मा : अभी माननीय मंत्री जी ने बतलाया कि सन् १९५३ में जो उत्तर प्रदेश में शिक्षा मंत्रियों की कानफरेस हुई थी उस की सिफारिशों को केन्द्रीय सरकार ने मान लिया था और लिपि बदल दी गई थी। तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि उन सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद भारत सरकार न जा प्रज्ञान किये उन में क्या व्यय हुआ ?

डा० का० ला० श्रीमाला : उस का आकड़ा तो मैं इस समय नहीं द सकता कि कितना व्यय हुआ। कुछ कमेटियाँ नियुक्त हुई थी उन्होंने कुछ काम भी किया था।

यह साफ है कि कुछ खर्च हुआ, लेकिन कितना खर्च हुआ यह मैं नहीं बतला सकता ।

श्री प्रकाश बीर शास्त्री: मैं यह जानना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में जो लिपि परीक्षण असफल हो चुका है फिर उस लिपि परीक्षण के लिये बम्बई प्रान्त को क्यों चुना गया । उत्तर प्रदेश में जिन बालको को पहले उस लिपि की दा तीन वर्ष शिक्षा दी जा चुकी है, उन को अब फिर पुरानी लिपि दी जा रही है । तो मैं जानना चाहता हूँ कि उन बालको को यह पुरानी लिपि फिर से सिखाने के लिये क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने कोई विशेष व्यवस्था की है ?

डा० का० ला० श्रीमाली: यह बात तो उत्तर प्रदेश सरकार से सम्बन्ध रखती है । इस में भारत सरकार का प्रश्न नहीं उठता । उत्तर प्रदेश सरकार ने सन् १९५३ में एक कानफरेंस बुलायी थी और उस में जो निर्णय लिये थे मैं ने सुना है कि वे लगभग बहुमत के निर्णय थे और सभी राज्यों की उन में सहमति थी । उस के बाद भारत सरकार ने उन सिफारिशों को स्वीकार कर लिया, उस के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उन निर्णयों को बदल दिया । तो अब तो उन से मिल कर इस मामले को तै करना है । इसलिये इस में कुछ वक्त लगेगा ।

Shri Heda: From the reply given by the hon. Minister, it seems that he does not know or probably he has not taken into consideration that Shri Vinobhai was one of the first who took up a scientific view of Devanagari and he has also formed a Lokanagari, complete and simplified also and not only a journal but also books have been printed in it. May I know whether that Lokanagari and the research made in that regard will be taken into consideration?

Dr. K. L. Shrimani: It will be considered at the Education Ministers conference

सेठ गोविन्द दास: धनी मंत्री जी ने यह कहा कि भिन्न-भिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों की एक परिषद् बुलाई जा रहे हैं और कुछ विशेषज्ञों को भी बुलाया जा रहा है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या हिन्दी की प्रतिष्ठित सस्थाओं, जैसे नागरी प्रचारिणी सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, हिन्दी प्रचार सभा दक्षिण भारत, के प्रतिनिधियों को भी इस परिषद् में बुलाने का विचार किया जा रहा है ।

डा० का० ला० श्रीमाली: जी हा, एक्स-पर्ट्स को बुलाया जायेगा ।

सेठ गोविन्द दास: मैं यह जानना चाहता था कि क्या इन सस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी निमन्त्रण दिया जायेगा ?

डा० का० ला० श्रीमाली: मैं इसी वक्त तो इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता कि किन-किन सस्थाओं के प्रतिनिधियों को बुलाया जायेगा । लेकिन मैं इतना निवेदन कर सकता हूँ कि जो भी इस विषय के विशेषज्ञ हैं उन को आमन्त्रित किया जायेगा ।

श्री भक्त दर्शन: श्रीमान्, यह मूलतः मेरा प्रश्न था । मुझे कम से कम एक पूरक प्रश्न करने का तो अवसर दिया जाये ।

अध्यक्ष महोदय: अच्छा ।

श्री भक्त दर्शन: श्रीमान्, मूल प्रश्न मेरा था, इस लिये कम से कम एक पूरक प्रश्न तो मुझे पूछने दिया जाये ।

अध्यक्ष महोदय: श्री भक्त दर्शन ।

श्री भक्त दर्शन: क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेगे कि देर से देर कब तक शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन होगा और कब तक इस बारे में निर्णय हो जायेगा ?

डा० का० ला० श्रीमाली: मैं या जून में कानफरेंस बुलाने का विचार है ।

श्री प० ला० बाबूराव : मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि अभी उन्होंने बताया कि कुछ पुराने निर्णयों को बदला है, लेकिन क्या ऐसे अधिकारियों को बदला है या नहीं, जिन के दिमाग में अंगरेजियत भरी हुई है और क्या उन की जगह पर कोई हिन्दी के विशेषज्ञ नियुक्त किये गये हैं।

डा० का० ला० श्रीमाली : यह इस प्रश्न से नहीं उठता है।

रूरकेला उर्वरक का कारखाना

- +
- श्री मोरारका :
 - श्री सरजू पांडे :
 - श्री हेम राज :
 - *७७२. श्री टी० बी० विठ्ठल राव :
 - डा० राम सुभग सिंह :
 - श्री अ० मु० तारिक :
 - सरदार इकबाल सिंह :
 - श्री दलजीत सिंह :
 - श्री नवल प्रभाकर :

क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री २४ नवम्बर, १९५८ के तारकित प्रश्न संख्या १७८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बनाने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या रूरकेला में उर्वरक कारखाने के लिये मशीन और उपकरणों के लिये आर्डर देने के बारे में इस बीच कोई निर्णय कर लिया गया है,

(ख) यदि हा, तो क्या उस का ब्यौरा बताने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा; और

(ग) यह कारखाना कब चालू हो जायेगा ?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) to (c). The fertilizer plant at Rourkela will consist of two main parts (i) ammonia plant and auxiliaries and (ii) nitric acid and nitro-limestone plant.

It has been decided to award the contract for the construction of the nitric acid and nitro-limestone plant of the Fertilizer Factory at Rourkela to Sindri Fertilizers & Chemicals (Private) Ltd. at an estimated cost of Rs. 7.75 crores.

It is proposed to award the contract for the ammonia plant and auxiliaries to M/s. Uhde, West Germany, whose quotation was the lowest acceptable one. The terms and conditions of the contract are being finalised. The Fertilizer Plant is expected to go into production by March 1982.

Shri Morarka: Is it not a fact that this order with Sindri is placed at a loss of Rs. 30 lakhs, and Sindri proposes to make up that loss by increasing the price of fertilisers?

Sardar Swaran Singh: No, Sir That is not a fact

Shri Morarka: May I know if Sindri is going to appoint another foreign consultant when Rourkela already has a consultant for this particular plant?

Sardar Swaran Singh: There is no duplication. If for executing their part of the contract, Sindri Fertilisers employ another consultant or agency, they should be left to judge as to what is best to be done

Shri Morarka: Is it not a fact that in respect of the major part of the order placed with Sindri, Sindri is going to import and supply to Rourkela? If that is so, what was the difficulty in Rourkela directly importing it rather than bringing in Sindri into it?

Sardar Swaran Singh: I am happy that Sindri has come into this because they have got experience, and they are another sister public sector organisation, and if they show interest in doing a part of the contract, they would, in any case, be better suited even to import the necessary material and to make their know-how available for executing that part of the contract.